International Journal of Research Radicals in Multidisciplinary Fields (IJRRMF), ISSN: 2960-043X
Volume 3, Issue 2, July-December, 2024, Available online at: www.researchradicals.com

बस्ती और गैर-बस्ती क्षेत्रों की महिला उत्तरदाताओं के ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार पर जनसम्पर्क (रेडियो और टेलिविजन) के प्रभाव का अध्ययन

ज्योति गुप्ता[1], डॉ. माधवी पांडे[2]

[1]रिसर्च स्कॉलर, गृह विज्ञान विभाग, मानसरोवर यूनिवर्सिटी, भोपाल
[2]सहायक प्रोफ़ेसर, गृह विज्ञान विभाग, मानसरोवर यूनिवर्सिटी, भोपाल

सार

वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य खाद्य सामग्री के खाद्य मूल्यों के ज्ञान को जागृत करना है, साथ ही महिलाओं में अधिक पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए उचित दृष्टिकोण को विकसित करना है जिससे परिवार में पौष्टिक भोजन की आदतों के लिए स्वस्थ प्रथाओं का विकास हो। इस उद्देश्य के लिए मास मीडिया एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसलिए बनारस के बस्ती और गैर-बस्ती क्षेत्रों की महिला उत्तरदाताओं के ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार पर जनसम्पर्क (रेडियो और टेलिविजन) के प्रभाव का अध्ययन करना महत्वपूर्ण है । कुल 400 महिलाओं को वर्तमान अध्ययन के लिए जांच की इकाई के रूप में चुना गया.

इस अध्ययन में चाहे ज्ञान हो या दृष्टिकोण या व्यवहार, जिन महिला उत्तरदाताओं के पास टेलीविजन और रेडियो सेट हैं, उन्हें उन महिलाओं की तुलना में बढ़त हासिल है जिनके पास रेडियो और टेलीविजन सेट नहीं हैं। इन उपकरणों का स्वामित्व इनका उपयोग करने के लिए पर्याप्त प्रेरणा प्रदान करता है और स्वाभाविक रूप से यह प्रतिवादी के ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास प्रभाव के विकास को प्रभावित करने के लिए बाध्य था।

परिचय

महिलाएं अपने सामाजिक सांस्कृतिक परिदृश्य में कुपोषण के खिलाफ एकाकी भूमिका निभा रही हैं। ऐसा नहीं है कि भोजन की महंगी सामग्री पौष्टिक है, जबकि कम लागत वाली सब्जियों व खाद्य सामग्री भी बच्चों और वयस्कों दोनों को बेहतर पोषक तत्व प्रदान कर सकती है। भोजन की आदतें आमतौर पर क्षेत्र, परिवार की आर्थिक स्थिति, संस्कृति और खाद्य उपलब्धता पर निर्भर करती हैं। अत: बच्चों और वयस्कों की आहार संबंधी आदत को प्रभावित करने में भी ये कारक प्रमुख भूमिका निभाते हैं। शोधकर्ता के अनुसार यह न केवल दृष्टिकोण है जो सभी के लिए आवश्यक पौष्टिक भोजन की आदतों के लिए मायने रखता है, बल्कि भोजन के ज्ञान और इसके लिये भोजन के मूल्यों के बारे जानना भी ज़रूरी है, इसलिए भोजन संबंधी ज्ञान और दृष्टिकोण दोनों का अध्ययन किया जा सकता हैं जो भोजन की आदतों के बेहतर अभ्यास में मदद करें ।

इसलिए, वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य खाद्य सामग्री के खाद्य मूल्यों के ज्ञान को जागृत करना है, साथ ही महिलाओं में अधिक पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए उचित दृष्टिकोण को विकसित करना है जिससे परिवार में पौष्टिक भोजन की आदतों के लिए स्वस्थ प्रथाओं का विकास हो।

इस उद्देश्य के लिए मास मीडिया एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसलिए बनारस के बस्ती और गैर-बस्ती क्षेत्रों की महिला उत्तरदाताओं के ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार पर जनसम्पर्क (रेडियो और टेलिविजन) के प्रभाव का अध्ययन करना महत्वपूर्ण है ।

शोध का उद्देश्य

बस्ती और गैर-बस्ती क्षेत्रों की महिला उत्तरदाताओं के ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार पर जनसम्पर्क (रेडियो और टेलिविजन) के प्रभाव का अध्ययन करना

शोध पद्धति

अध्ययन उत्तर प्रदेश के बनारस जिले के बस्ती और गैर बस्ती क्षेत्रों मे किया गया. स्लम और गैर-स्लम क्षेत्रों की 200-200 महिलाओं का चयन किया कुल 400 महिलाओं को वर्तमान अध्ययन के लिए जांच की इकाई के रूप में चुना जाएगा।

शोधकर्ता ने वर्तमान अध्ययन के लिए साक्षात्कार अनुसूची (इंटरव्यू शेड्यूल) का उपयोग किया.

परिणाम एवं परिचर्चा

सारिणी 1: क्षेत्र और रेडियो एवं टेलिविजन के आधार पर महिला उत्तरदाताओं का बंटन

क्षेत्र	टीवी व रेडियो होना		टीवी व रेडियो नहीं होना		कुल
	आवृत्ति	प्रतिशत	आवृत्ति	प्रतिशत	
बस्ती	128	64.0	72	36.0	200
गैर-बस्ती	180	90.0	20	10.0	200

उपरोक्त सारणी 1 क्षेत्र के अनुसार महिला उत्तरदाताओं का वितरण और उनके पास टी.वी. और रेडियो होने/नहीं होने को दर्शाती है। गैर-बस्ती क्षेत्र में अधिकांश उत्तरदाताओं के पास रेडियो और टेलीविजन है, जबकि बस्ती क्षेत्र में अधिकांश महिला उत्तरदाताओं के पास रेडियो और टेलीविजन नहीं है।

सारणी 2: दोनों क्षेत्रों में रेडियो और टेलिविजन रखने/नहीं रखने वाली महिला उत्तरदाताओं का पोषण संबन्धित ज्ञान

टीवी और रेडियो होना/नहीं होना		आवृत्ति	मान	एस.डी.	टी	पी
बस्ती	टीवी और रेडियो होना टीवी और रेडियो नहीं होना	128 72	20.32 17.26	2.01 2.42	4.263	> 0.05
गैर-बस्ती	टीवी और रेडियो होना टीवी और रेडियो नहीं होना	180 20	25.74 18.26	2.19 2.87	5.861	> 0.05

बस्ती-क्षेत्र में जिनके पास रेडियो और टेलीविजन था, उनका औसत ज्ञान 20.32 था और जिनके पास रेडियो और टेलीविजन नहीं था, उनका औसत ज्ञान 17.26 था। बस्ती क्षेत्र में औसत ज्ञान के संबंध में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर 5 प्रतिशत महत्व के स्तर पर है।

गैर-बस्ती क्षेत्र में जिनके पास रेडियो और टेलीविजन था, उनका औसत ज्ञान 25.74 था और जिनके पास रेडियो और टेलीविजन नहीं था, उनका औसत ज्ञान 18.26 था। गैर-बस्ती क्षेत्र में औसत ज्ञान के संबंध में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर उन महिला उत्तरदाताओं के बीच देखा गया जिनके पास रेडियो और टेलीविजन है/नहीं है।

सारणी 3: दोनों क्षेत्रों में रेडियो और टेलिविजन रखने/नहीं रखने वाली महिलाओं का दृष्टिकोण

टीवी व रेडियो होना/नहीं होना होना		आवृत्ति	मान	एस.डी.	टी	पी
बस्ती	टीवी व रेडियो टीवी व रेडियो नहीं होना	128 72	66.4 58.28	5.72 5.98	7.381	> 0.05
गैर-बस्ती	टीवी व रेडियो होना टीवी व रेडियो नहीं होना	180 20	69.66 54.28	4.42 7.13	8.881	> 0.05

बस्ती क्षेत्र में जिनके पास रेडियो और टेलीविजन था, उनका माध्य औसत 66.4 था और जिनके पास रेडियो और टेलीविजन नहीं था, उनका औसत दृष्टिकोण 58.28 था। 'टी' मान को 5 प्रतिशत महत्व के स्तर पर महत्वपूर्ण पाया गया, इसलिए बस्ती क्षेत्र में रेडियो और टेलीविजन रखने/नहीं रखने वाली महिला उत्तरदाताओं के बीच औसत दृष्टिकोण के संबंध में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर देखा गया। इससे

निष्कर्ष निकाला गया कि मीडिया पर रेडियो और टेलीविजन का कब्ज़ा है। पोषण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण के विकास में टेलीविजन सेट अत्यधिक प्रशंसनीय और प्रभावी थे।

गैर-बस्ती क्षेत्र में रेडियो और टेलीविजन रखने वाली महिलाओं का औसत दृष्टिकोण 69.66 था और जिनके पास रेडियो और टेलीविजन नहीं था, उनका औसत दृष्टिकोण 54,28 था।

गैर-बस्ती क्षेत्र में, जिनके पास रेडियो और टेलीविजन है/नहीं है, उन महिला उत्तरदाताओं के बीच औसत दृष्टिकोण के संबंध में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर देखा गया। टेलीविजन और रेडियो सेट का होना पोषण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण के विकास का एक कारक है।

सारणी 4: दोनों क्षेत्रों में रेडियो और टेलिविजन रखने/नहीं रखने वाली महिलाओं में व्यवहार

टीवी व रेडियो होना/नहीं होना होना		आवृत्ति	मान	एस.डी.	टी	पी
बस्ती	टीवी व रेडियो होना नहीं टीवी व रेडियो होना	128 72	59.24 56.72	4.79 4.08	7.613	> 0.05
गैर-बस्ती	टीवी व रेडियो होना टीवी व रेडियो नही होना	180 20	63.78 50.66	4.11 5.37	8.303	> 0.05

जिनके पास टेलीविजन और रेडियो था, उनका औसत 59.24 था और जिनके पास टेलीविजन और रेडियो नहीं था, उनका औसत 56.72 था और 'टी' का मान महत्वपूर्ण था, इसलिए बस्ती क्षेत्र में टेलीविजन और रेडियो के होने और टेलीविजन और रेडियो के नहीं होने के बीच सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर था।

गैर-बस्ती क्षेत्र में टेलीविजन और रेडियो रखने का औसत 63.78 था और जिनके पास टेलीविजन और रेडियो नहीं था उनका औसत 50.66 था।

टेलीविजन और रेडियो के होने और टेलीविजन और रेडियो के न होने से सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर पाया गया, जिससे यह निष्कर्ष निकला कि गैर-बस्ती क्षेत्र के लिए सामग्री का स्वामित्व पोषण में व्यवहार के बेहतर लाभ प्राप्त करने के बेहतर अवसर प्रदान करता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

[1]. पनगरिया, ए (2013, मई 2)। चाईलड मॉनुट्रिशन इन इण्डिया। द टाईमज ऑफ इंडिया, 14.
[2]. वेकफील्ड एट अल (2014) यूज ऑफ मास मीडिया केमपेन्स टू चेंग हेल्थ बिहावीयर। लेंसेट. 376(9748): 126–1271
[3]. वरटेनियणं (2015) द इम्पैक्ट ऑफ मास मीडिया इन फूड सेफ्टी एंड हेल्थ केयर इंटरनेशनल कॉन्फरेंस ऑन फूड सेफ्टी एंड रेगीलटरी मेशर्स, 17–19

[4]. ग्रजीओस (2016) डू मास मीडिया एंड मोबाईल टेक्नोलॉजी न्यूट्रिशन एजुकेशन केमपेन्स इमपरुव इंफेनत एंड यन्ग चाइल्ड फीडिंग नोलीज, एटिटूड एंड प्रकटीस इन द डेवेलोपिंग वर्ल्ड? अ सिस्टेमटिक रिव्यू ऑफ द एविडेंस। द मिइ जर्नल 891.4

[5]. राओ एट अल (2018) टीनेजर्स अंडरस्टैंडिंग एंड इन्फलुएंस ऑफ मीडिया कंटेन्ट ऑन देर डाईट एंड हेल्थ रिलेटेड बिहेवीयर। जर्नल ऑफ क्लीनिकल न्यूट्रिशन एंड डाईटिक्स। 4:9